edufy publications

# नज़ारा

## TEACHERS RESOURCE MANUAL

**Hindi**
**Grade 4**

Grade - 4

# 1 अनमोल धरोहर

**अनमोल धरोहर में**

आत्मकथांश, डायरी, कविता- तीन प्रोक्तियाँ हैं।
साहित्यिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक महान विभूतियों पर आधारित प्रोक्तियाँ हैं।
विश्व मानवीय संस्कृति का अवबोध
अंतरिक्ष-वैमानिक होने की प्रेरणा
कालजयी साहित्य की अवधारणा
युगपुरुषों के प्रति समाराधना

## प्रक्रिया 1 – पुल बाँधें - लिखें।

अरुण सुबह पाँच बजे उठता है। स्नान करके एक घंटा पढ़ता है। अपनी वर्दी इस्त्री करता है। रसोई में माँ की मदद करता है। आठ बजे पिताजी के साथ स्कूल जाता है। उसके पिताजी दफ़्तर में काम करता है। उसकी माँ एक टीचर है। उसकी बहन अलग स्कूल में पढ़ती है। उसका परिवार छोटा है। उसका घर सुंदर है। वह बहुत होशियार लड़का है।

इसका वाचन करें। छात्र भी वाचन करें।
अरुण के बदले में अपना नाम जोड़कर वाचन करके सुना दें।
छात्रों से अपना नाम जोड़कर वाचन करने को कहें।
और एक बार वाचन कराकर, लिखने दें।
लिखने के बाद चुनिंदे छात्रों को वाचन करने का अवसर दें। शीर्षक अपना-अपना नाम दें।

## प्रक्रिया 2 – पुल बाँधें .. एक हो जाएँ ..

श्यामपट पर लिखें।

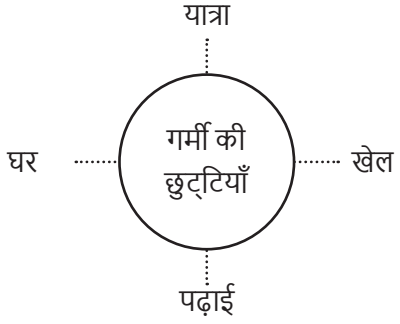


पूछें- गर्मी की छुट्टियों में क्या किया?
छात्रों को बोलने का अवसर दें।
मैंने यात्रा की।
मैं खेला।
मैंने पढ़ाई में समय बिताया।
मैं घर में ही रहा।
छात्रों को यात्रा, खेल, पढ़ाई, घर दलों में बाँटें।
दल में अपना अनुभव बाँटें।
अपने अनुभव पर लिखने का अवसर दें। प्रस्तुत करने दें।
छात्र अधिक हो तो यात्रा दल को और बाँटें।
जैसे चार के बदले में आठ दल बना दें।
ज़रूरी मदद से विवरण का संशोधन करें।
विवरणों से पत्र लिखने का अवसर दें। प्रस्तुत कराएँ।

# पाठ-1 जब मैं फेल हुआ

## प्रक्रिया 3 – देखें पहचानें

कलाम से संबंधित चित्र, फोटो, विडियो आदि दिखाएँ।
(राकेट के साथ का चित्र, राष्ट्रपति के रूप में कलाम का चित्र, भाषण-व्याख्यान देनेवाले कलाम का चित्र, अन्य प्रसंगों पर आधारित चित्र)
श्यामपट पर लिखें।

कलाम अंतरिक्ष वैज्ञानिक थे।
वे राष्ट्रपति थे।
वे अच्छे वक्ता थे।

उनके जन्म, बचपन, शिक्षा आदि जीवन पर आधारित प्रसंगों की विडियो दिखाएँ।
प्रश्न द्वारा उनका परिचय दें।

## प्रक्रिया 4 – पढ़ें ... समझें ...

वाचन प्रक्रिया
पाठभाग को सुविधानुसार घंटों में बाँटें।
पहले अंश का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।

प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-

एम.आई.टी. माने क्या है?
कलाम के डिजाइन अध्यापक कौन थे?
कलाम को किस प्रकार का विमान तैयार करना था?
कलाम किस टीम का इंचार्ज था?
उनकी टीम क्या-क्या तैयार कर रही थी?
उनकी टीमवाले क्या करना चाहते थे?
प्रो. श्रीनिवासन ने कलाम से क्या कहा?
डिजाइन देखकर प्रो. श्रीनिवासन ने क्या कहा?

(यह कार्य निराशाजनक है .... क्या उम्मीद थी)
खंड का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।

## प्रक्रिया 5 – पढ़ें .. समझें ..

दूसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें)
प्रश्न-

कलाम किसकी ओर देख रहा था?
कलाम क्यों हक्का-बक्का होकर प्रोफ़ेसर की ओर देख रहा था?
कलाम को प्रोफ़ेसर के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ी। क्यों?
'यह मेरे लिए नया अनुभव था'- नया अनुभव क्या था?
प्रोफ़ेसर क्या बोले?
तीन दिनों में क्या दिखाने को कहा था?
स्कॉलरशिप बंद करने के संबंध में प्रोफ़ेसर ने क्या कहा?
स्कॉलरशिप बंद करने से कलाम को क्या होगा?
स्कॉलरशिप बंद होने के संबंध में सुनकर कलाम परेशान हो गया। क्यों?

पाठभाग में दिए प्रश्नों का जवाब दें।

## प्रक्रिया 6 – लिख लिखते खुश हो जाएँ।

कलाम अपने अनुभव के बारे में मित्र से बातें कर रहे थे। दोनों के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

वार्तालाप का उचित प्रसंग चुन लें।
पूछने लायक प्रश्नों का चयन करें।
कलाम का जवाब सोच लें।
वार्तालाप तैयार करें।

वैयक्तिक लेखन का समय दें।
प्रस्तुति हो।
दल में परिमार्जन करें। दलीय प्रस्तुति हो।
अपनी तरफ का वार्तालाप प्रस्तुत करें।
संशोधन द्वारा वार्तालाप की त्रुटियों को सुधार करें।
पुस्तिका में लिखने को कहें।

## प्रक्रिया 7 – पढ़ें .. समझें ..

खंड तीन की वाचन प्रक्रिया जारी करें।
प्रश्न-

प्रोफ़ेसर के कहने पर कलाम ने क्या किया?
कलाम के मस्तिष्क में क्या तैर रहे थे?
'अपने काम पर एकाग्रचित्त होकर मैंने अपने दिमाग में बुने जालें साफ करने शुरू कर दिए।'-
किसके दिमाग में?क्या साफ करने शुरू कर दिए?
कलाम का काम कब पूरा हो चुका था?
कलाम के कमरे में कौन मौजूद थे?
प्रोफ़ेसर कहाँ से लौट रहे थे?
'उन्होंने मुझे प्यार से गले लगा लिया।' किसने? किसको? क्यों?
प्रोफ़ेसर ने क्या कहा?

प्रोफ़ेसर का कलाम पर ज्यादा दबाव डालने का उद्देश्य क्या था?

## प्रक्रिया 8 – पढ़ें .. समझें ..

अंतिम खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्र श्न:

'उनसे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया।' किनसे?
'उस दिन मैंने दो बातें सीखीं।' पहली बात कौन-सी है?
कलाम की राय पर हमारा सर्वश्रेष्ठ मित्र कौन होता है?
दूसरी बात कौन-सी है?
कलाम प्रोफ़ेसर श्रीनिवास का शुक्रगुज़ार हैं। क्यों?

पृ. 13 डायरी तैयार करें।
कलाम को प्रोफ़ेसर के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ी- इससे संबंधित प्रसंग को चुनकर लिखें।

1. टीम बनाई गई।
2. डिज़ाइन तैयार करना था।
3. हफ्तों तक की कड़ी मेहनत।
4. पुर्जे तैयार कर रहे थे।
5. प्रोफ़ेसर श्रीनिवास का निरीक्षण- यह इतना अच्छा डिज़ाइन नहीं है कलाम।

.....

इन वाक्याँशों की सहायता से डायरी लिखें।
पृ. 12 पाठभाग से अंग्रेज़ी-वैज्ञानिक शब्द चुनकर लिखें।

### प्रक्रिया 9

एक ही झटके में डिज़ाइन अस्वीकार करने के दो दिन बाद यह शब्द मेरे कानों में संगीत के सुरों के समान झंकृत हो रहे थे। उनसे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया। इस घटना की ज़िक्र करते हुए अपनी माता के नाम कलाम का पत्र तैयार करें।

### प्रक्रिया 10

इन वाक्यों का वाचन करें।
हमने कई हफ्तों की मेहनत की।
उन्होंने समीक्षात्मक ढंग से उसकी जाँच की।
पाठभाग से ऐसे वाक्य चुनकर लिखें।
कर्ता-कर्म-क्रिया रेखांकित करें।
छात्रों को समझाएँ कि कर्ता के साथ ने जोड़ा गया है। क्रिया कर्म के अनुसार बदलती है।

## पाठ-2 अनुपम लेखनी

प्रेमचंद की छोटी कहानी पर आधारित विडियो दिखाएँ।
प्रेमचंद का जीवन परिचय देनेवाली विडियो दिखाएँ।
समझाएँः प्रेमचंद हिंदी के अमर कहानीकार और उपन्यासकार हैं। उनकी कहानियाँ आज भी सबको आकर्षित करती हैं।
यहाँ प्रेमचंद का संस्मरण दिया गया है।

### प्रक्रिया 1 – पढ़ें .. समझें ..

पहले खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

शिवपूजन सहाय किसके साथ किसके बंगले पर गया?
किसने सच्ची घटना सुनाई?
प्रेमचंद दिल्ली क्यों गये थे?
किसकी ओर से प्रेमचंद का अभिनंदन हो रहा था?
सच्चनों ने प्रेमचंद से किसका आग्रह प्रकट किया?
प्रेमचंद ने क्षमा प्रार्थना की। क्यों?
सज्जन उठकर क्या बोले?

खंड का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।

### प्रक्रिया 2 – लिख लिखते खुश हो जाएँ

प्रेमचंद पर आधारित एक सच्ची घटना प्रफुलचंद्र ओझा मुक्त ने सुनाई। इस घटना पर अनूपलाल मंडल, जनार्दन मिश्र परमेश, शिवपूजन सहाय और ओझा जी के बीच का वार्तालाप तैयार करें।
लेखन प्रक्रिया-

### प्रक्रिया 3 – पढ़ें .. समझें ..

दूसरे खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

सज्जन कौन था?
सारी संपत्ति दीवाले से नष्ट होने पर उनकी हालत कैसी थी?
एक चवन्नी से क्या खरीदा?
उसने आत्महत्या करने का निश्चय क्यों किया?
वह स्टेशन पर क्यों चल गया?
वहाँ से उसने क्या खरीदा?
उसमें क्या छपी थी?
उसने क्यों आत्महत्या करने का विचार छोड़ दिया?
वह फिर धनाढ्य जौहरी बन गया। कैसे?
उसने प्रेमचन्द से क्या विनती की?

खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

### प्रक्रिया 4 - लेखन प्रक्रिया - लिख लिखते खुश हो जाए

जौहरी ने आत्महत्या का विचार छोड़ दिया। जौहरी की उस दिन की डायरी तैयार करें।

### प्रक्रिया 5 पढ़ें .. समझें ..

आपके घर में कोई मेहमान आए तो क्या-क्या करेंगे?

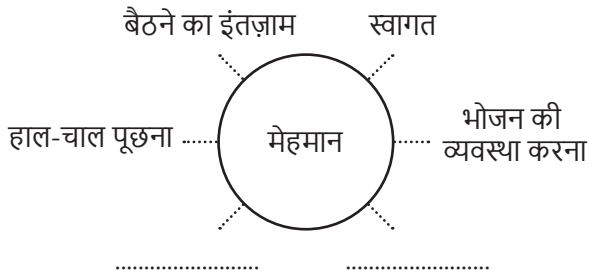


इनपर प्रश्न पूछें। बोलने का अवसर दें। श्यामपट पर लिखें। एक विवरण का रूप दें।
अंतिम खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

'प्रेमचंद भावविभोर हो गए। ' क्यों?
सबने सज्जन से क्या कहा?
प्रेमचंद के घर आने पर सज्जन ने क्या किया?
सबको कैसे भोजन कराया?
प्रेमचंद की आनंदाश्रुधारा न रुक सकी। क्यों?
धन्य कलाकार की लेखनी की महिमा। ऐसा क्यों कहा गया है?

बोलें- साहित्यकारों की रचनाएँ हमारे मन को बहुत प्रभावित करती हैं। साहित्य हमें जीने देता है।
पृ. 17 *सही विकल्प चुनकर लिखें - कार्य कराएँ।*

## प्रक्रिया 6 -लेखन प्रक्रिया - लिख लिखते खुश हो जाए।

आचार्य शिवपूजन सहाय की डायरी के आधार पर जौहरी की कहानी को अपनी शैली में लिखें। उचित शीर्षक भी लिखें।

घटनाएँ क्रमबद्ध करें।
जौहरी स्टेशन पर चला गया।
उसकी सारी संपत्ति दीवाले से नष्ट हो गई।
आत्महत्या करने का निश्चय किया।
उर्दू का एक पर्चा खरीदा।
घर में अन्न का एक दाना न रहा।
उसमें प्रेमचंद की एक कहानी छपी थी।
ज़हर खरीदकर खाने निकला।
आत्महत्या का विचार छोड़ दिया।
उसने प्रेमचंद की कहानी पढ़ी।

घटनाओं को क्रमबद्ध करके जौहरी की कहानी लिखें, उचित शीर्षक भी दें।
लेखन प्रक्रिया के सोपानों का पालन करें।

## प्रक्रिया 7 – सीखें .. शुद्ध भाषा बोलें

इन रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें।
<u>उनकी</u> आँखों देखी बात है।
<u>उनका</u> अभिनंदन हो रहा था।
<u>उन्होंने</u> क्षमा प्रार्थना की।
<u>मेरी</u> सारी संपत्ति दिवाले से नष्ट हो गई।
इस प्रकार के शब्द चुनकर लिखें।
<u>उनकी</u> आँखों देखी बात है। - इस वाक्य में उनकी शब्द को फिर से अलग कर सकते हैं।
जैसेः

वे + की = उनकी
वे + का =उनका
वे + ने = उन्होंने
मैं + की = मेरी

मैं और वे जौहरी के बदले में प्रयुक्त हैं।
मैं और वे के जैसे हैं - वह, यह, ये, तू, तुम, हम
इनके साथ का जोडें तो क्या मिलेगा?

मैं + का = मेरा
तू +का = तेरा
वह +का = उसका
यह + का =इसका
तुम + का = तुम्हारा
हम + का = हमारा

इस प्रकार ने, को, से, के लिए, का, के, की, में, पर आदि जोड़ सकते हैं।
समय-समय पर सर्वनाम के साथ प्रत्यय जोड़ना बच्चों को समझाएँ।

# पाठ-3 साबरमती के संत – कविता

## प्रक्रिया 1 गाएँ गीत बढ़ाएँ प्रीत

गाँधीजी पर आधारित बालगीत का आलाप करें। आलाप कराएँ।

मैं गाँधी बन जाऊँ
माँ, छोटी-सी धोती दे दो
मैं गाँधी बन जाऊँ

Grade - 4

माँ खादी की चादर दे दो
मैं गाँधी बन जाऊँ।

## प्रक्रिया 2 देखें .. पहचानें ..

गाँधीजी से संबंधित विडियो दिखाएँ।
गाँधीजी का जीवन परिचय दें।
साबरमती आश्रम का चित्र दिखाएँ।

## प्रक्रिया 3 पढ़ें .. समझें ..

पहली चार पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

किसने हमें आज़ादी दे दी?
हमें कैसे आज़ादी दे दी?
बिना खड्ग, बिना ढाल से क्या तात्पर्य है?
साबरमती के संत कौन है?
गाँधीजी के बिगुल का प्रभाव किस-किस पर पड़ा?

हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।
चार पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें: गाँधीजी ने हमें आज़ादी दे दी। उनका हथियार अहिंसा था। लोग उन्हें साबरमती के संत कहते हैं। जब-जब गाँधीजी ने आज़ादी की लड़ाई लड़ी, तब-तब जवान, मज़दूर, किसान उनके साथ चल पड़े।

## प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें ..

दूसरी चार पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

हिंदू, मुसलमान, सिक्ख और पठान गाँधीजी के साथ क्यों चल पड़े?
'कोटि कोटि प्राण चल पड़े' से मतलब क्या है?
जवाहरलाल क्या छोड़कर गाँधीजी के साथ आए?
फूलों की सेज से कवि का उद्देश्य क्या है?

हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।
चार पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें- सभी धर्म के लोग आज़ादी की लड़ाई में गाँधीजी के साथ जुड़े रहे।
आज़ादी के लिए कई लोग शहीद हो गए। जवाहरलाल जैसे नेताओं ने फूलों की सेज छोड़कर गाँधीजी के साथ रहे।

## प्रक्रिया 5 – पढ़ें .. समझें ..

तीसरी चार पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

'जग में कोई जिया है तो बापू तू ही जिया।' इस पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?
गाँधीजी ने किसके लिए सबकुछ लुटा दिया?
'माँगा ना कभी तख्त, न तो ताज भी लिया
अमृत दिया सभी को खुद ज़हर पिया।'- का भाव क्या है?
हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।?

चार पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें- यदि कोई जग में जिया तो गाँधीजी ही जिया। क्योंकि गाँधीजी हमारी आज़ादी के लिए जी रहे थे।
गाँधीजी ने देश की राह में सबकुछ लुटा दिया। याने सबको एकता में बाँधा। गाँधीजी ने कभी सत्ता नहीं माँगा, आज़ादी के लिए खुद सारी यातनाएँ सहकर हमें आज़ादी रूपी अमृत दिया।

## प्रक्रिया 6 – पढ़ें .. समझें ..

अंतिम चार पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:

'जिस दिन तेरी चिता जली' से कवि का मतलब क्या है?
गाँधीजी की मृत्यु भारतीय जनता पर कैसा प्रभाव डाला?

हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।
चार पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें- आज़ादी के कुछ महीनों बाद गाँधीजी की मृत्यु हुई। भारतीय जनता बहुत दुखी रही।
साबरमती के संत गाँधीजी ने कमाल कर हमें आज़ादी दे दी।

## प्रक्रिया 7 – चुनें .. आलाप करें ..

जवाहरलाल जैसे नेता फूलों की सेज को छोड़कर गाँधीजी के साथ आए।- आशयवाली पंक्ति चुनकर आलाप करें।

## प्रक्रिया 8 – लिख लिखते खुश हो जाएँ।

साबरमती के संत कविता का आशय लिखें।
गाँधीजी और आज़ादी की लड़ाई पर अपने मित्र से एक संभावित वार्तालाप तैयार करें।
गाँधीजी और आज़ादी की लड़ाई के बारे में लिखें।

# 2 बचपन के वो दिन

इकाई में कविता, कहानी और पत्र- तीन प्रोक्तियाँ हैं।

## पाठ-1 खिलौने वाला

### प्रक्रिया 1 – देखें पहचानें

खिलौने के चित्र, फोटो, विडियो आदि दिखाएँ। परिचय करा दें।
नाम श्यामपट पर लिखें।

### प्रक्रिया 2 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

### प्रक्रिया 3– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार चार-चार पंक्तियों में बाँटें।
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

आज कौन आया है?
खिलौनेवाला क्या लाया है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशयः बच्चा माँ से कहता है - देखो माँ गली में खिलौनेवाला फिर से आया है। वह कई तरह के सुंदर-
सुंदर नए खिलौने लाया है।
कहें -"वह कई तरह के सुंदर- सुंदर नए खिलौने लाया है।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

### प्रक्रिया 4 – .कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न-

पिंजड़े में किसको बंद किया है?
गेंद कितने पैसे की है?
सर-सर-सर चलनेवाली क्या है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशयः खिलौने में पिंजड़े में बंद हरा-हरा तोता है। एक पैसेवाली गेंद है। सर-सर-सर चलनेवाली
छोटी-सी मोटरगाड़ी है।
कहें- "गेंद एक पैसेवाली" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

### प्रक्रिया 5 – .कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें)
प्रश्न-

रेलगाड़ी कैसे चलनेवाली है?
"------भी हैं कई तरह की "क्या?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशयः उसके पास कई तरह की सीटियाँ हैं। कई तरह के सुंदर खेल हैं। चाभी भर देने से भक-भक करती चलनेवाली रेलगाड़ी है।
कहें- "उसके पास कई तरह की सीटियाँ हैं।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 6 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें ...

चौथी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न-
गुड़िया ने कानों में क्या पहना है?
टी-सेट कैसा है ?
इन चार पंक्तियों में किन खिलौनों के बारे में बताया गया है?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
चौथी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशयः खिलौनेवाले के पास कानों में बाली पहने बहुत भली-सी गुड़िया है। छोटा-सा टी सेट है।
छोटे-छोटे लोटा और थाली हैं।
कहें- खिलौनेवाले के पास कानों में बाली पहने बहुत भली-सी गुड़िया है।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 7– .कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

पाँचवीं चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें)
प्रश्न-
खिलौनेवाले क्या पुकार रहा है?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पाँचवीं चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय - खिलौनेवाले के पास छोटे-छोटे धनुष-बाण हैं। छोटी-छोटी तलवार है। खिलौनेवाला- भैया नए खिलौने ले लो ..नए खिलौने ले लो ..ऐसा ज़ोर-ज़ोर से पुकार रहा है।
कहें- छोटे-छोटे धनुष-बाण हैं।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 8– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

छठी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न-
मुन्नू ने क्या ले ली?
मोहन ने क्या खरीदा?
सरला क्यों मचल-मचल करती है?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
छठी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशयः मुन्नू ने गुड़िया ले ली। मोहन ने मोटरगाड़ी खरीदी।
सरला माँ से साड़ी लेने को मचल-मचल करती है।
कहें- सरला माँ से साड़ी लेने को मचल-मचल करती है।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 9– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

सातवीं चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न-
बच्चा माँ से क्या पूछता है?
माँ क्या उत्तर देती है?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
सातवीं चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशयः इस पर बालक अपनी माँ से पूछता है कि क्या कभी खिलौनेवाले साड़ियाँ भी रखते हैं?
माँ ने जवाब दिया कि साड़ियाँ तो कपड़े बेचनेवाले रखते हैं, जो कभी-कभी आते हैं।
कहें- "माँ ने जवाब दिया कि साड़ियाँ तो कपड़े बेचनेवाले रखते हैं, जो कभी-कभी आते हैं।"
इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 10– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

आठवीं चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें)
प्रश्न-
माँ ने कितने पैसे दे दिए ?
बच्चा माँ से क्या विचारने को कह रहा है ?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
आठवीं चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- बच्चा अपनी माँ से कहता है - खिलौनेवाले के आने पर तुमने मुझे चार पैसे दे दिए। अब वह विचार कर रहा है कि उसे

कौन-सा खिलौना खरीदना चाहिए। वह माँ से भी इसके बारे में विचार करने को कहता है।
कहें- 'बच्चा अपनी माँ से कहता है - खिलौनेवाले के आने पर तुमने मुझे चार पैसे दे दिए।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।
पूरी कविता का वाचन करें। कविता का आशय बताने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

### प्रक्रिया 11 – लिख लिखते ... खुश हो जाएँ ...

तुम्हें कौन-सा खिलौना पसंद है?
तुम्हारे पास कितने खिलौने हैं? नाम लिखें।
तुम्हारे पसंद के खिलौने के बारे में क्या लिखोगे? लिखें।

वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

### प्रक्रिया 12– लिख लिखते ... खुश हो जाएँ ...

कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें।
पृ. सं. 25 और 26 के अभ्यास करें।
विशेषण -विशेष्य समझा दें।
अच्छा लड़का
अच्छा विशेषण
लड़का विशेष्य
इसी प्रकार अभ्यास करने को कहें।

## पाठ-2 माँ मूगफली (कहानी)

### प्रक्रिया 1 – देखें ...आस्वादन करें ...

माँ से प्यार संबंधी कहानी की विडियो दिखाएँ।
विडियो संबंधी प्रश्नों से कहानी का आशय समझा दें।

### प्रक्रिया 2 – कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें ...

वाचन प्रक्रिया (सर्दी सफ़ेद.....अकल नहीं थी।)
कहानी को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
पहले खंड़ का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
लड़का क्या सोचता होगा?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहले खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

### प्रक्रिया 3 – कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें ...

वाचन प्रक्रिया (घर के रास्ते.....घर की ओर दौड़ पड़ा।)
कहानी को सुविधानुसार खंड़ों में बाँटें।
दूसरे खंड़ का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
"उस वक्त वही मेरे लिए सबसे ताकतवर इंसान था।"- यहाँ किसके बारे में कहा गया है?
"मैंने बिना कुछ बोले दो-चार और निकाल दीं।" भाई को मूँगफली देते समय लेखक की उम्मीद क्या थी?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरे खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

### प्रक्रिया 4 - लिख लिखते .. खुश हो जाएँ ..

मूँगफली तोड़ने के बारे में भाई के साथ लड़के की बातचीत लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अध्यापिका अपना नमूना दिखाएँ।

किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

### प्रक्रिया 5– कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें। (दीदी आंगन में.....झुका लीं)

वाचन प्रक्रिया
तीसरे खंड का वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया ज़ारी करें।
प्रश्न पूछें-

दीदी आँगन में बैठी क्या कर रही थी?
"... उसे कभी भी चाँटा मारने का हक था।" किसको?
"मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं अपनी अम्मी को तंग कर सकता हूँ।"- क्या आप लोग अपनी अम्मी को तंग करते/ती हैं?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरे खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

### प्रक्रिया 5 – कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें। (ऊपर छत पर हैं.....तंग नहीं करता)

वाचन प्रक्रिया
चौथे खंड़ का वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया ज़ारी करें।
प्रश्न पूछें-

अम्मी छत पर क्या कर रही थी?
माँ ने बच्चे को मूँगफली तोड़ना कैसे सिखाया?
माँ ने बेटे के हौंसले को किस प्रकार बढ़ाया?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
चौथे खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

### प्रक्रिया 6-लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

"माँ मूँगफली "कहानी के आधार पर माँ और बेटे के बीच की बातचीत को आगे बढ़ाएँ।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अध्यापिका अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।
पृ सं 52 के दो अभ्यास करें।

## पाठ-3 पिता का पत्र पुत्री के नाम

### प्रक्रिया 1 – सुनें - समझें

पिता के नाम पल्लवी का पत्र सुनें।
अमेरिका
10 नवंबर, 2005
प्रिय पिता जी,

मैं खुश हूँ। आप कैसे हैं? माँ कैसी है? यहाँ का मौसम सुहावना है। जनवरी 10को विश्व हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। हिंदी भाषा पर मुझे एक भाषण देना है। भारत में हर कहीं हिंदी बोली जाती है। साथ ही अंग्रेज़ी भी चलती है। इनके अलावा अन्य कई भाषाएँ प्रचलित हैं। भारत में हिंदी का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। हिंदी भाषा की विशेषताओं पर अधिक जानना चाहती हूँ। आप हिंदी पर एक भाषण लिख भेजिए।

आशा है, घर में सब ठीक है। माँ से मेरा प्यार ।
जवाब के इंतज़ार में।

आपकी बेटी
(हस्ताक्षर)
पल्लवी

सेवा में

.....
.....

पल्लवी के पत्र का वाचन करें।
पल्लवी के पत्र का वाचन छात्र करें।

किसने लिखा?
किसको लिखा?
कहाँ से लिखा?
किस तारीख को लिखो?
क्या लिखा?

वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।

### प्रक्रिया 2 – पत्र पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
पत्र को सुविधानुसार खंड़ों में बाँटें।

पहले खंड़ का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

यह पत्र किसने लिखा?
यह पत्र किसको लिखा?
यह पत्र कहाँ से लिखा?
"तुम्हारा पत्र पाकर बहुत प्रसन्नता हुई।" इसका पहला कारण क्या है?
"तुम्हारा पत्र पाकर बहुत प्रसन्नता हुई।" इसका दूसरा कारण क्या है?
हमारी संस्कृति किसमें समाई होती है?
हमें किस पर गर्व करना चाहिए?
हिंदी के द्वारा क्या हो सकता है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहले खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

## प्रक्रिया 3 – पत्र पढ़ें ... आस्वादन करें।

दूसरे खंड़ का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

अंग्रेज़ी के वर्चस्व का कारण क्या है?
आज भारतीय विद्यार्थी कहाँ-कहाँ से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं?
किस भाषा के माध्यम से हम ने स्वतंत्रता संघर्ष किया था?
हिंदी कब राजभाषा घोषित की गयी थी?
हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?
क्या हम साल भर हिंदी की सेवा कर रहे हैं?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरे खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

## प्रक्रिया 4 – पत्र पढ़ें ... आस्वादन करें।

तीसरे खंड़ का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

हिंदी कहाँ-कहाँ बोली जाती है?
अंग्रेज़ी के चैनल क्यों बंद हो गए?
किस-किस चैनल हिंदी में कार्य कर रहा है?
हिंदी फिल्मी गीतों का बोलबाला कितना है?
हमें विरासत में क्या मिली है?
विदेशी फिल्मों का प्रदर्शन कैसे हो रहा है?
विश्व भर में हिंदी फिल्मों का क्या स्थान है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरे खंड़ का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
पृ सं 37 का अभ्यास करें।

# 3 अच्छी सेहत बड़ी दौलत

इस इकाई में लेख, बातचीत, कविता  तीन प्रोक्तियाँ हैं।

## पाठ-1 स्वास्थ्य ही जीवन है

### प्रक्रिया 1 – देखें  पहचानें

सेहत से संबंधित चित्र, फोटो, विडियो आदि दिखाएँ। प्रश्नों द्वारा परिचय करा दें।

### प्रक्रिया 2 – चित्र वाचन करें।

चित्र में कौन-कौन हैं?
वे क्या कर रहे है?
वे क्यों खेलते हैं?
स्वास्थ और खेल से क्या संबंध है?
हम कब खेलते हैं?

भिन्न- भिन्न खेल के नाम बताएँ।
भिन्न- भिन्न खेल प्रतियोगिताओं के नाम बताएँ।
जैसे - ओलिंपिक्स, वेल्ड कप.....

### प्रक्रिया 3- पढ़ें  - आस्वादन करें।

सेहत से संबंधित कविताएँ सुनाएँ।
खेलो- खेलो खूब खेलो
खाओ- खाओ खूब खाओ
स्वास्थ रखो मन, स्वास्थ रखो
चुस्त रखो तन, चुस्त रखो
आलाप करें। छात्र आलाप करें।
"स्वास्थ मन और चुस्त तन" पर ध्यान दें।

### प्रक्रिया 4- लेख पढ़ें ... समझें । (अहमद आज.....बहुत आवश्यक है)

वाचन प्रक्रिया
लेख को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
पहले खंड  का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
अहमद आज क्यों स्कूल नहीं गया?
आज स्कूल में क्या कार्यक्रम चल रहा था?
स्कूल में आज किस खेल का मैच चल रहा था?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहले खंड  का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

### प्रक्रिया 5 - लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

तुम्हें कौन-सा खेल पसंद है?
तुम्हारे पसंद के खेल के बारे में क्या लिखोगे?  लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

### प्रक्रिया 6- लेख पढ़ें ...समझें । (आओ, अब ..... शरीर नहीं पोंछना चाहिए)

वाचन प्रक्रिया
दूसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।

वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
सफाई का महत्व क्या है?
पसीने का मैल कैसे शरीर से दूर होता है
हमें दूसरों के तौलिए का इस्तेमाल क्यों नहीं करना चाहिए?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 7 – लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

अपने शरीर की सफ़ाई पर मित्र से बातें करें। बातचीत तैयार करें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

## प्रक्रिया 8 लेख पढ़ें ... समझें । (घर की सफ़ाई.....उबाल लेना चाहिए)

वाचन प्रक्रिया
तीसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
घर की नियमित सफाई नहीं होने से क्या होता है?
हमें घर की खिड़कियाँ यथासंभव क्यों खुली रखनी चाहिए?
धूप का सेवन करने से हमें कौन-सा विटामिन मिल जाता है?
पीने का पानी क्यों उबाल लेना चाहिए?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 9 – लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

घर की सफ़ाई पर अपना विचार क्या-क्या है? लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अध्यापिका अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।.

## प्रक्रिया 10 - लेख पढ़ें ... समझें (हवा और पानी.....दीर्घजीवी बनिए)

वाचन प्रक्रिया
चौथे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
हमें कैसा भोजन खाना चाहिए?
क्या भोजन का स्वादिष्ट होना काफी है?
क्या पोषक भोजन का मतलब महँगा भोजन है?
दूध को पूर्ण भोजन क्यों कहते हैं?
खुली हवा में टहलने के क्या लाभ होता है?
क्या मानसिक उल्लास का शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
चौथे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 11– लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

स्वास्थ्य ही जीवन है पर मित्र के नाम अहमद का पत्र तैयार करें।
ध्यान दें-
अहमद का पता
मित्र का पता
स्थान और तारीख
संबोधन

कलेवर
स्वनिर्देश
हस्ताक्षर

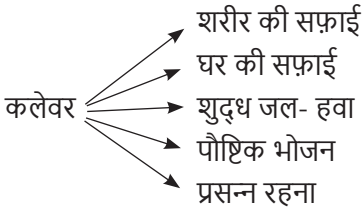


.....

वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।
पृ सं 46 में दिए प्रश्नोत्तर लिखें।
तालिका पढ़ें और समझें।

# पाठ-2 हृदय की कहानी।

हृदय की कहानी में हृदय के कार्य पर लोमड़ी से बातचीत है।

## प्रक्रिया 1 – देखें पहचानें

हृदय के कार्य से संबंधित विडियो दिखाएँ। प्रश्नों द्वारा परिचय करा दें।

## प्रक्रिया 2– लेख पढ़ें ... समझें । (लोमड़ी : नहीं तो.?..... शुद्ध रक्त मिलता है।)

वाचन प्रक्रिया
बातचीत को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
बातचीत के पहले खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

लोमड़ी को हृदय ने अपना परिचय कैसे दिया?
हृदय का आकार कैसा है?
हृदय कहाँ निवास करता है?
हृदय क्या करता है?
हृदय प्रतिदिन कितनी बार धड़कता है?
हृदय एक घंटे में कितनी बार धड़कता है?
हृदय धड़कने से क्या होता है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
बातचीत के पहले खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 3– लेख पढ़ें ... समझें । (लोमड़ी : क्या तुम रक्त को.....कार्यों में करते हैं।)

वाचन प्रक्रिया
बातचीत के दूसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

क्या हृदय रक्त को साफ़ करता है?
हृदय खून साफ़ करने में किस प्रकार मदद करता है?
शरीर के विभिन्न अंगों में ऑक्सीजन से क्या लाभ होता है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
बातचीत के दूसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 4 – लेख पढ़ें ... समझें । (लोमड़ी : फिर कार्बन ..... जीवित रहते हैं।)

वाचन प्रक्रिया
बातचीत के तीसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।

वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

कार्बन डाईऑक्साइड शरीर में कैसे प्रवेश करती है?
हृदय ने रक्त के आदान-प्रदान की विधि क्या बताया?
मानव शरीर के अंगों में हृदय का क्या महत्व है?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
बातचीत के तीसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

### प्रक्रिया 5 – लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

हृदय के कार्य पर एक लघु लेख लिखें।
बातचीत का वाचन करें। आशय समझें। लेख लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।
पृ सं 51 में दिया गया अंगों के नाम लिखने का अभ्यास करें।
चित्र की सहायता से प्रश्न पूछकर अंगों के नाम बताने का अवसर दें।
पृ सं 51 में दिया गया सही वाक्य के आगे टिक का निशान लगाने का अभ्यास करें।
पृ सं 52 में दिया गया विलोम शब्द लिखने का अभ्यास करें।
बातचीत का वाचन करें। विलोम शब्द चुने। लिखें।
पृ सं 52 में दिया गया शब्दों के सही मिलान करने का अभ्यास करें।
बातचीत का वाचन करें। शब्द कोश से शब्दों के अर्थ समझें। लिखें।

## पाठ-3 इस पर करो विचार

### प्रक्रिया 1 – देखें .. पहचानें ..

पर्यावरण और पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित चित्र, फोटो, विडियो आदि दिखाएँ। परिचय करा दें।

### प्रक्रिया 2 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार पंक्तियों में बाँटें।
पहली छह पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

हमारे विचार कब अच्छे बनेंगे?
मन में कैसे भाव रखने चाहिए?
जीना कब आसान बन जाता है?
हमें किस पर ध्यान रखना चाहिए?
पराबैंगनी किरण से नभ को क्या होता है?
जल वायु को किस प्रकार शुद्ध रखना चाहिए?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहली छह पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- पर्यावरण की रक्षा हमारी जिम्मेदारी है। पर्यावरण की रक्षा करें तो हम चैन से जी सकते हैं। हमारे मन में जीवों के प्रति प्यार, करुणा, दया आदि भाव पैदा होता है। शुद्ध जल-वायु हो तो आसानी से जी सकते हैं। हमें प्रदूषण को रोकने में पूरा ध्यान देना चाहिए। पराबैंगनी किरण से कोई नहीं बच सकता। उससे ओज़ोन परत में छिद्र हो जाता है।
कहें -" पराबैंगनी किरण से कोई नहीं बच सकता।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

### प्रक्रिया 3 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार चार-चार पंक्तियों में बाँटें।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।

टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

धरती कैसी होनी चाहिए?
भरे नदी तालाब से क्या मतलब है?
हर मन में क्या खिलता रहना चाहिए?
मन में सुंदर गुलाब कैसे खिलेगा?
हमें प्रकृति के साथ कैसे रहना चाहिए?
हमें कैसा खाना खाना चाहिए?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- हरी भरी धरती और भरे नदी तालाब अच्छे पर्यावरण के सूचक हैं। ऐसे पर्यावरण से हमारे मन में सुंदर फूल गुलाब खिलता रहता है। हमें प्रकृति के साथ बिना प्रदूषण से रहना चाहिए। मौसम के अनुसार खाना-पीना चाहिए।
कहें -" हमें प्रकृति के साथ बिना प्रदूषण से रहना चाहिए ।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 4 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
तीसरी छह पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

विकास कब होता है?
जिसे बना सकते नहीं का मतलब क्या है?
चारों तरफ़ क्या लगा हुआ है?
हमें किस-किस बात पर विचार करना चाहिए?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरी छह पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय -प्रकृति से मिल जुल कर रहने से बहुत विकास होता है। पर्यावरण की रक्षा से आकाश साफ़ रहेगा। यदि पर्यावरण की रक्षा न कर सकते तो नर का आधार भी नहीं बच सकता। चारों तरफ़ कचरे का अंबार है। प्रदूषण से पर्यावरण को न बचा सकें तो हमें जीना मुश्किल है। इसलिए उस पर हमेशा ध्यान रखना चाहिए।
कहें -"चारों तरफ़ कचरे का अंबार है।" इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 5 – लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।
पृ सं 55 में दिया गया समान अर्थवाले शब्द लिखने का अभ्यास करें।
पृ सं 56 में दिया गया **भाव स्पष्ट करके लिखने का अभ्यास करें।**
पृ सं 57 में दिया गया **आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखने का अभ्यास करें।**
पृ सं 57 में दिया गया **अपने मन पसंद पंक्तियाँ चुन कर लिखने का अभ्यास करें।**

## प्रक्रिया 6 – पोस्टर बनाएँ.. खुश हो जाएँ

स्वास्थ्य संरक्षण के महत्व का संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें।

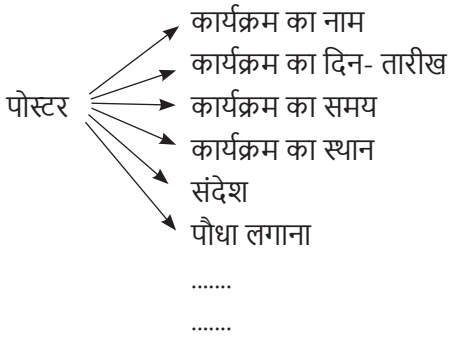


वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अध्यापिका अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

# 4 काम दिल से नहीं दिमाग से

व्यंग्य कविता, व्यंग्य कहानी, व्यंग्य कविता और टिप्पणी - तीन प्रोक्तियाँ हैं।

## पाठ-1 मगरमच्छ के दाँत

### प्रक्रिया 1 – देखें पहचानें

व्यंग्य/कार्टूण संबंधित चित्र, फोटो, विडियो आदि दिखाएँ। प्रश्नों द्वारा परिचय करा दें।

### प्रक्रिया 2 – पढ़ें - आस्वादन करें।

राजा के पास एक आदमी आया। उसके पास एक तोता था। उसने राजा को तोता दिखाया और कहा-महाराज, यह तोता बड़ा होशियार तोता है। आपसे बात भी कर सकता है।
राजा ने तोते से पूछा-अच्छा! तुम बात भी कर सकते हो?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा प्रसन्न हुआ। और तोते को महल में ले आया।
एक दिन राजा ने तोते से पूछा-
क्या मैं एक अच्छा राजा हूँ?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- मेरी प्रजा मुझसे प्यार करती है?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- क्या मेरा कोई शत्रु है?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- तुम उसे जानते हो?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- तुम उसका नाम बताओगे?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- बताओ न।
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- क्या एक ही रट लगा रखी है?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- बेवकूफ हो क्या?
तोता- इसमें क्या शक है?
राजा- तो मैं ही बवकूफ था, जो तुम्हें खरीद कर लाया।
तोता- इसमें क्या शक है?
कहानी पढ़ी?कैसी है?
बताने का अवसर दें।

### प्रक्रिया 3 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार चार-छह पंक्तियों में बाँटें।
पहली छह पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

मगरमच्छ एक दिन कहाँ गया?
डॉक्टर ने क्या पूछा?
मगरमच्छ क्या बोला?
डॉक्टर ने मुँह खोलने को क्यों कहा?
"हाए रे हाए!" ऐसा मगरमच्छ ने क्यों कहा?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहली छह पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- एक दिन मगरमच्छ दाँत के डॉक्टर की दूकान गया। वहाँ की कुर्सी पर बैठा। डॉक्टर ने पूछा- कहिए श्रीमान, कहाँ-कहाँ दुखता है और क्यूँ?
मगरमच्छ बोला- मेरे दाँत में बहुत दर्द है।
डॉक्टर ने कहा- अच्छा ज़रा मुँह खोल के दिखाएँ।
कहें- "कहिए श्रीमान, कहाँ-कहाँ दुखता है और क्यूँ?इस आशयवाली

पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 4– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
दूसरी आठ पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

मगरमच्छ का जबड़ा कैसा था?
डॉक्टर किसमें बैठ गया?
डॉक्टर ने हँस कर क्या पूछा?
डॉक्टर ने मगरमच्छ के दाँत क्यों उखाड़ने शुरु कर दिए?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरी आठ पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- मगरमच्छ ने जबड़ा खोला। उसका जबड़ा लंबा, चौड़ा, भूरा था। डॉक्टर उसके जबड़े में पूरा का पूरा बैठ गया। डॉक्टर ने हंस कर कहा- ये तो बड़ा मज़ेदार एकांत है। फिर मगरमच्छ के सारे दाँत एक-एक करके उखाड़ने शुरू कर दिए।
कहें -" डॉक्टर उसके जबड़े में पूरा का पूरा बैठ गया। इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 5 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
तीसरी आठ पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

मगरमच्छ क्यों रोने लगा?
मगरमच्छ क्या बोल कर कराह रहा था?
डॉक्टर ने क्या किया?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरी आठ पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- मगरमच्छ रोने लगा। मुझे जाने दो, हाए ज़रा धीरे, हाए ज़रा हौले बोल कर कराह रहा था। डॉक्टर अपनी चिमटी हटा कर हाथ धो ले, ऐसा बोल रहा था। पर डॉक्टर ने उसको न 'हाँ' की न 'ना' की। हँस कर बोला कि अभी पूरे बारह बाकी हैं।
कहें -हँस कर बोला कि अभी पूरे बारह बाकी हैं। इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 6 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
चौथी आठ पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

डॉक्टर ने गलती से क्या कर दिया?
"पर अगला सही निकालूँगा ये है इरादा" ये इरादा क्या है?
डॉक्टर को क्या हुआ?
डॉक्टर कहाँ गायब हो गया?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
चौथी आठ पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय- डॉक्टर की गलती से एक और गलत निकाल दिया। उसका ये इरादा है कि अगला सही निकालूँगा। लेकिन मगरमच्छ के इतने दाँत होते हैं, उनमें से एक कम या ज़्यादा हो जाए तो क्या फरक पड़ेगा। तभी अचानक सटाक की आवाज़ निकली। तब समझ में नहीं आया कि डॉक्टर चिमटी समेत मगरमच्छ के जबड़ों में कब पूरा गायब हो गया।

कहें -"उसका ये इरादा है कि अगला सही निकालूँगा। - इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 7 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

वाचन प्रक्रिया
अंतिम चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
क्या डॉक्टर का पता मिला?
"क्या फरक पड़ेगा एक कम या ज़्यादा?" से क्या मतलब है ?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
अंतिम चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
आशय – डॉक्टर कहाँ गया, किस दिशा में गया? उसका कोई पता नहीं। इस दुनिया में इतने डॉक्टर हैं, इनमें से एक कम या ज़्यादा हो तो क्या कोई फरक पड़ेगा।
कहें -"इस दुनिया में इतने डॉक्टर हैं, इनमें से एक कम या ज़्यादा हो तो क्या कोई फरक पड़ेगा। - इस आशयवाली पंक्ति को चुन लें।

## प्रक्रिया 8 -लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।
पृ सं 62 सर्वनाम और प्रत्यय अलग करके लिखें।
पृ सं 62 कविता से प्रश्न सूचक शब्दों को चुनें और उनका अर्थ लिखें।

# पाठ-2 साइकिल की घर वापसी

## प्रक्रिया 1 – देखें .. सुनें

साइकिल से संबंधित विडियो (बाल गीत) दिखाएँ।

## प्रक्रिया 2 पढ़ें - आस्वादन करें।

साइकिल की कविता सुनाएँ।
दो पहिए की मेरी साइकिल
सरपट दौड़े मेरी साइकिल
टिंग-टिंग करती मेरी साइकिल
कितनी प्यारी मेरी साइकिल
आलाप करें। छात्र आलाप करें।

## प्रक्रिया 3 लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

पूछें -
क्या तुम्हारे पास साइकिल है?
अपने साइकिल के बारे में क्या मालूम है? लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।

## प्रक्रिया 4 – कहानी पढ़ें ... समझें। (जब से.....बेच दिया गया)

वाचन प्रक्रिया
कहानी को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
पहले खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

मालिकों ने क्या खरीदा?
साइकिल एक कोने में पड़ी रही। क्यों?
साइकिल के टायर कैसे पंक्चर हो गए?
साइकिल की देह कैसे धूल-धूसरित हो गई?
साइकिल को क्यों रोना आ गया?
साइकिल दुख से क्या कहा?
मालिकों ने किसकी चर्चा की?
साइकिल का दिल क्यों बैठ गया?
कबाड़ में बेचने से साइकिल का हाल कैसा होगा?
साइकिल क्या सोचने लगी?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहले खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 5 लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

मालिकों से अपने को कबाड़ में न बेचने की विनती करती हुई साइकिल की बातचीत तैयार करें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

## प्रक्रिया 6– कहानी पढ़ें ... समझें । (अपने इस अपमान ..... उसी जगह पर खड़ी हो गई)

वाचन प्रक्रिया
दूसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

साइकिल कबाड़ से क्यों भाग निकली?
साइकिल कहाँ पहुँची?
थानेदार ने साइकिल से क्या पूछा?
साइकिल ने क्या जवाब दिया?
थानेदार ने साइकिल कहानी सुनकर क्या कहा?
कांस्टेबल ने साइकिल क्या ले आने को कहा?
कांस्टेबल के सामने साइकिल क्यों सकपका गई?
साइकिल ने कैसे रपट लिखवा ली?
कांस्टेबल ने रपट तैयार कर क्या कहा?
एक सप्ताह बाद कांस्टेबल ने क्या कहा?
"साइकिल अपना-सा-मुँह लिए उसी जगह पर खड़ी हो गई" क्यों?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 7– कहानी पढ़ें ... समझें । (हफ्ते बाद.....थाने से निकल पड़ी)

वाचन प्रक्रिया
तीसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन– अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

साइकिल क्यों रोने लगी?
कांस्टेबल ने साइकिल का ताला क्यों निकाल लिया?
थानेदार ने साइकिल से लाल-पीला होकर क्या कहा?
साइकिल ने किसका इंतज़ार किया था?
अंत में साइकिल क्या करने का निश्चय किया?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 8 – कहानी पढ़ें ... समझें ।( रास्ते में उसे.....दिन में काम करते हैं।)

वाचन प्रक्रिया
चौथे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।

शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

साइकिल ने रास्ते में किसको देखा?
आदमी क्या कर रहा था?
साइकिल उससे क्या बोली?
आदमी ने क्या जवाब दिया?
साइकिल ने उस आदमी को अपना नया मालिक क्यों चुन लिया?
नया मालिक रात में साइकिल क्यों चलाता था?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
चौथे का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 9 - लिख लिखते .. खुश हो जाएँ।

नए मालिक से अपना जीवन परिचय देती हुई साइकिल की बातचीत तैयार करें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अध्यापिका अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।

## प्रक्रिया 10 – कहानी पढ़ें ... समझें । (आदमी ने बताया.....हवेली ले गया)

वाचन प्रक्रिया
पाँचवें खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

साइकिल के प्रश्न का क्या जवाब नए आदमी ने दिया?
साइकिल क्यों पछताने लगी?
चोर कहाँ घुस गया?
वह किसकी हवेली थी?
साइकिल चली नहीं थी। क्यों?
साइकिल ने अपने पहियों को क्यों पंक्चर कर दिया?
सारा सामान नीचे गिर पड़ा। कैसे ?
चोर भाग नहीं सका। क्यों?
साइकिल ने चोर को कैसे फँसाया?
बूढ़ा मालिक अपने जवान लड़कों को क्यों डाँटने लगा?
साइकिल ने बूढ़े मालिक से क्या कहा?
बूढ़े मालिक ने क्या किया?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पाँचवें खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 11 लिख लिखते .. खुश हो जाएँ

बूढे मालिक ने साइकिल को छाती से लगाकर अपनी हवेली में ले गया।
साइकिल की उस दिन की डायरी लिखें।
वैयक्तिक लेखन हो। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें। दल की उपज प्रस्तुत करें।
अपना नमूना दिखाएँ।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
अपनी पुस्तिका में लिखने को कहें।
पृ सं 70 मुहावरे का अर्थ पढ़ कर समझें ।

# पाठ-3 बतूता का जूता

## प्रक्रिया 1 – देखें पहचानें

इब्न बतूता से संबंधित चित्र, फोटो, विडियो आदि दिखाएँ। प्रश्नों द्वारा परिचय करा दें।

## प्रक्रिया 2 – कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

यह कविता की आस्वादन टिप्पणी है। इसलिए पहले कविता का वाचन करना चाहिए।
वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार चार-छह पंक्तियों में बाँटें।

पहली चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

किसका जूता तूफ़ान में उड़ गए?
नाक और कान में क्या घुस गई?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें।

## प्रक्रिया 3– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

यह कविता की आस्वादन टिप्पणी है। इसलिए पहले कविता का वाचन करना चाहिए।
वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार चार-छह पंक्तियों में बाँटें।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

इब्न बतूता क्या कर रहा था?
उनके पैरों से जूता कब निकल पड़ा?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें।

## प्रक्रिया 4– कविता पढ़ें ... आस्वादन करें।

यह कविता की आस्वादन टिप्पणी है। इसलिए पहले कविता का वाचन करना चाहिए।
वाचन प्रक्रिया
कविता को सुविधानुसार चार-छह पंक्तियों में बाँटें।
तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

उनका जूता कहाँ पहुँच गया?
इब्न बतूता कहाँ पर खड़े रह गए?

उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
आशय समझा दें।

## प्रक्रिया 5 – आस्वादन टिप्पणी पढ़ें ... समझें ।

वाचन प्रक्रिया
आस्वादन टिप्पणी को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
आस्वादन टिप्पणी का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

एक अच्छी कविता की विशेषता क्या है?
कविता में कौन-सा शब्द उलटा दिया गया है?
तीसरी पंक्ति 'घुस गई' से क्या अहसास होता है?
बतूता को जूते पर क्यों ध्यान न रहा?

टिप्पणीकार ने अच्छी कविता की तुलना कैसे समझाया?
हम इस कविता को क्यों बार-बार सुनना चाहेंगे?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहले खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।
पृ. सं 75 पर्यायवाची शब्दों को चुन कर लिखें

# पाठ-4 हाँजी नाजी

## प्रक्रिया 1 – कहानी पढ़ें ... समझें ।

वाचन प्रक्रिया
व्यंग्य कहानी को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
पहले खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
कौन बेरोज़गार थे?
वे किसकी तलाश में थे?
उनकी नौबत कैसी थी?
उन्हीं दिनों शहर में क्या आया?
सर्कसवालों का विज्ञापन क्या था?
नाजी कब होटल पहुँच गए?
सर्कसनालों ने क्या कहा?
नाजी ने क्या पूछा?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
पहले खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।

## प्रक्रिया 2 – कहानी पढ़ें ... समझें ।

वाचन प्रक्रिया
कहानी को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
दूसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
सर्कसनालों ने नाजी को क्या जवाब दिया?
नाजी सर्कस में बंदर बनने को क्यों तैयार हुए?
नाजी शेर के पिंजरे में कैसे पहुँचा?
शेर के पिंजरे में पहुँचने पर नाजी की प्रतिक्रिया क्या थी?
सर्कस में कौन शेर बना था?
नाजी के पास आकर हाँजी ने क्या कहा?
हाँजी कब पहुँचा?
नाजी कब पहुँचा?
साढे दस बजे किसकी पोस्ट खाली थी?
उत्तर बताने का अवसर दें। लिखें।
दूसरे खंड का पुन: वाचन करें। छात्र पुन:वाचन करें।
पृ. सं 79 में दिए अभ्यास पर ध्यान दें।